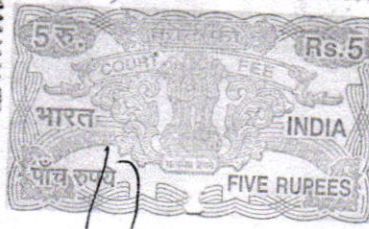


56



माननीय न्यायालय मध्यप्रदेश राजस्व मण्डल केन्द्र ग्वालियर (म.प्र.)

प्रकरण क्रमांक -

/2017 निगरानी

PBR/निगरानी/मंदसौर/भूरा/2017/4413

हीरालाल पिता मांगीलाल निवासी ग्राम काचरिया
चन्द्रावत, तहसील मल्हारगढ़ जिला नीमच म.प्र.

— आवेदक

विरुद्ध

शंकरलाल पिता काशीराम निवासी ग्राम काचरिया
चन्द्रावत, तहसील मल्हारगढ़ जिला नीमच म.प्र.

— अनावेदक

पार्थी अभिभाषक श्री
द्वारा प्रस्तुत
दिनांक 28-9-17
आयुक्त कार्यालय
उज्जैन

श्री प्र. उज्जैन
के अ. 444
2520

पुनरीक्षण प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा 50 म.प्र.भू.रा.सं


माननीय महोदय,

अधीनस्थ न्यायालय तहसीलदार मल्हारगढ़ जिला मंदसौर के प्र.
क्र. 7/अ-13/15-16 में पारित आदेश दिनांक 10-08 2017 से असंतुष्ट
एवं दुखित होकर निगरानी अंदर अवधि प्रस्तुत है :-

न्यायालय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक PBR/निगरानी/मंदसौर/भू.रा./2017/4413

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषक आदि के हस्ताक्षर
19-6-2018	<p>आवेदक के विद्वान अभिभाषक द्वारा ग्राह्यता पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया । तहसीलदार, मल्हारगढ़ के आदेश दिनांक 10-8-2017 की सत्यप्रतिलिपि का अवलोकन किया गया । तहसीलदार द्वारा स्पष्ट निष्कर्ष निकाला गया है कि प्रकरण में उभय पक्ष की उपस्थिति में स्थल निरीक्षण किया जाकर अनावेदक की ओर से प्रस्तुत म.प्र. भू-राजस्व संहिता, 1959 की धारा 32 का आवेदन पत्र का निराकरण किया जा चुका है । ऐसी स्थिति में साक्ष्य के स्तर पर आवेदक की ओर से प्रस्तुत व्यवहार प्रक्रिया संहिता के आदेश 6 नियम 17 का आवेदन पत्र स्वीकार किया जाता है तो वाद बाहुल्यता बढ़ेगी एवं प्रकरण के स्वरूप में भी परिवर्तन होगा । उपरोक्त निष्कर्ष के परिप्रेक्ष्य में तहसीलदार द्वारा आवेदक का आवेदन पत्र निरस्त करने में कोई त्रुटि नहीं की गई है । अतः तहसीलदार द्वारा पारित आदेश विधिसंगत है, जिसमें हस्तक्षेप का कोई आधार इस निगरानी में नहीं है । फलस्वरूप यह निगरानी प्रथम दृष्टया आधारहीन होने से अग्राह्य की जाती है ।</p>	 अध्यक्ष